

Padma Shri



SHRI SAVJIBHAI DHANJIBHAI DHOLAKIA

Shri Savjibhai Dhanjibhai Dholakia is the founder and chairman of Hari Krishna Exports Pvt. Ltd., a diamond manufacturing and export company. His journey in the diamond industry has been of vision, passion, sheer dedication and philanthropy. As a visionary leader with more than 40 years of experience in the diamond industry, he built HK as one of the world's largest manufacturers of polished diamonds.

2. Born on 12th April, 1962, Shri Dholakia dropped out of school at the age of 12 and with only Rs 12.5 in his pocket, he arrived in Surat in the year 1977 on a state transportation bus. He then began his career in Surat, working hard as a diamond polisher in his uncle's diamond unit for ten years. To fulfill his mother's dream, he founded his own company Hari Krishna Exports in 1992 along with his three brothers Mr. Himmatbhai, Mr. Tulsibhai and Mr. Ghanshyambhai. The group with turnover of USD \$1.5 Billion Dollar today exports polished diamonds & jewellery to 82 countries around the globe. HK manufactures over 45,000 carats of diamonds every month (and 500,000 carats every year). Hari Krishna Group also owns a Diamond Jewellery brand named "Kisna" with over 480 distributors and more than 3400 retail outlets across the country.

3. Shri Dholakia is a person who values the people in his life and sincerely cares for those around him. With his humility, simplicity, kindness, purity and compassion, he has garnered the admiration of people nationally and internationally. Through a 'Loyalty Program', he has given gifts such as Car, Jewellery and Flats to his employees. He started social work under "Hari Krishna Charitable Trust" in 1996, which is now known as 'Dholakia Foundation'. Choosing the path of serving Mother Earth, he has planted over 25 lakh trees and constructed 75 lakes under the Mission#100 Sarovar for villagers and farmers. His foundation is also involved in various other social welfare activities.

4. Shri Dholakia's Hari Krishna Group organizes mass-wedding ceremonies assisting needy young couples in starting a new life. HK conducts religious tours for the employee's Mother & Father as well as Father-in-law & Mother-in-law every year for their fun & motivation and also supports employees for their family's health and their children's education. HK also organizes Vipassana camps for their employees and motivational programmes by leaders.

5. Shri Dholakia's compassionate nature has been publicly recognized as he has been awarded honors from both the private and public sectors for his exceptional commitment to making a difference to the lives of others.

पद्म श्री



श्री सवजीभाई धनजीभाई धोलकीया

श्री सवजीभाई धनजीभाई धोलकीया एक हीरा निर्माण और निर्यात कंपनी हरि कृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एच के), के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। हीरा उद्योग में उनकी यात्रा दूरदर्शिता, जुनून, गहन निष्ठा और परोपकार से भरी हुई है। वह एक दूरदर्शी नेता हैं जिन्हें हीरा उद्योग में 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने एचके को पॉलिश किए गए हीरे का विश्व का एक सबसे बड़ा निर्माता बना दिया।

2. 12 अप्रैल, 1962 को जन्मे, श्री धोलकीया ने 12 वर्ष की आयु में स्कूल छोड़ दिया था और वह 1977 में जेब में केवल 12.5 रुपये के साथ राज्य परिवहन की बस से सूरत पहुंचे। इसके बाद उन्होंने सूरत में, दस वर्ष तक अपने चाचा की हीरा इकाई में पॉलिशर के रूप में कड़ी मेहनत करके अपना करियर शुरू किया। अपनी मां के सपने को पूरा करने के लिए, उन्होंने 1992 में अपने तीन भाइयों श्री हिम्मतभाई, श्री तुलसीभाई और श्री घनश्यामभाई के साथ स्वयं की कंपनी हरि कृष्ण एक्सपोर्ट्स की स्थापना की। 1.5 बिलियन डॉलर टर्नओवर वाला समूह आज दुनिया के 82 देशों को पॉलिश किए गए हीरे और आभूषणों का निर्यात करता है। एचके हर महीने 45,000 कैरेट से अधिक हीरे (और हर वर्ष 500,000 कैरेट) का निर्माण करता है। हरि कृष्ण ग्रुप के पास "किसना" नाम का डायमंड ज्वेलरी ब्रांड भी है, जिसके देश भर में 480 से अधिक वितरक और 3400 से अधिक रिटेल आउटलेट हैं।

3. श्री धोलकीया एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने जीवन में लोगों को महत्वपूर्ण मानते हैं और ईमानदारी से अपने आसपास के लोगों की देखरेख करते हैं। अपनी विनम्रता, सादगी, दयालुता, निर्मलता और करुणा के वजह से उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोगों की प्रशंसा बटोरी। 'लॉयल्टी प्रोग्राम' के जरिए उन्होंने अपने कर्मचारियों को कार, ज्वेलरी और फ्लैट जैसे उपहार दिए हैं। उन्होंने 1996 में "हरि कृष्ण चैरिटेबल ट्रस्ट" जिसे अब 'ढोलकिया फाउंडेशन' के नाम से जाना जाता है, के तहत सामाजिक कार्य शुरू किया। धरती माता की सेवा का मार्ग चुनते हुए, उन्होंने 25 लाख से अधिक पेड़ लगाए हैं और ग्रामीणों और किसानों के लिए मिशन # 100 सरोवर के तहत 75 झीलों का निर्माण किया है। उनका फाउंडेशन कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यों में भी शामिल है।

4. श्री धोलकीया का हरि कृष्ण समूह सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करता है जिससे जरूरतमंद युवा जोड़ों को एक नया जीवन शुरू करने में सहायता मिलती है। एचके हर वर्ष मनोरंजन और प्रेरणा के लिए कर्मचारियों के माता-पिता और सास-ससुर के लिए धार्मिक पर्यटन आयोजित करता है और कर्मचारियों के परिवार के स्वास्थ्य और उनके बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग करता है। एचके अपने कर्मचारियों के लिए विपश्यना शिविर और नेताओं के प्रेरक कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

5. श्री धोलकीया की सहृदयता की सार्वजनिक रूप से सराहना की गई है। उन्हें निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के द्वारा दूसरों के जीवन में बदलाव लाने की उनकी असाधारण प्रतिबद्धता के लिए सम्मान प्रदान किए गए हैं।